IBRIC (इंस्टीट्यूशंस ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च इनोवेशन काउंसिल) ईऑफिस प्लेटफार्म से जुड़ा

1 मई 2024 को, पूरे भारत में 16 अलग-अलग संस्थानों वाले IBRIC (इंस्टीट्यूशंस ऑफ बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च इनोवेशन काउंसिल) में ई-ऑफिस संस्थानों के सभी निदेशकों की उपस्थिति में लागू शुरू किया गया । ब्रिक डीबीटी (जैव-प्रौद्योगिकी निदेशालय), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संस्थान है। इससे पहले 1 अप्रैल 2024 को ब्रिक के महानिदेशक और सचिव डॉ. राजेश एस गोखले, डीबीटी के सभी निदेशकों और श्रीमती रचना श्रीवास्तव, डीडीजी, एनआईसी, नई दिल्ली की उपस्थिति में एक शुरुआती बैठक आयोजित की गई थी ।

ई-ऑफिस टीम एनआईसी, मुख्यालय के सहयोग से एनआईसी ओड़िशा के श्री एस.एन. बेहरा, वैज्ञानिक-एफ के नेतृत्व में टीम ने पीआईएमएस डेटा, फ़ाइल हेड डेटा संग्रह, सर्वर आवंटन, सभी स्थानों पर जनशक्ति की तैनाती, ई-साइन के कार्यान्वयन के लिए संस्थानों के सभी नोडल अधिकारियों के साथ समन्वय किया , एसडीसी पंजाब से एनएबीआई (नेशनल एग्री फूड बायोटेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट) मोहाली के मौजूदा डेटा का माइग्रेशन, सभी कर्मचारियों के लिए ईमेल आईडी बनाना, मौजूदा आईडी का उपनाम लगाना आदि। मास्टर प्रशिक्षकों और BRIC के 1294 उपयोगकर्ताओं के लिए चार ऑनलाइन और तीन ऑफ़लाइन प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए गए।

स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाना: एआई (AI) के प्रभाव और अवसरों की खोज करना

17 मई 24 को स्वास्थ्य सेवा निदेशालय ने स्वास्थ्य सेवा के भविष्य पर एक व्याख्यान की मेजबानी की, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला गया । एनआईसी के वैज्ञानिक श्री नीलाद्रि बिहारी मोहंती को इस व्यावहारिक सत्र के लिए आमंत्रित किया गया था। उपस्थित सदस्यों में विभिन्न सरकारी अस्पतालों के वरिष्ठ डॉक्टर शामिल हुए , श्री मोहंती ने एआई और मशीन लर्निंग (एमएल) के बुनियादी सिद्धांतों की व्यापक समझ को साझा किया, गहरे तंत्रिका नेटवर्क में गहन शिक्षण में उनके विकास के बारे में बताया और बताया कि कैसे न्यूरॉन्स की जैविक अवधारणाओं ने कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के विकास को प्रेरित किया है। । स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के निदेशक डॉ. काशीनाथ नायक ने इस सत्र में उपस्थित होकर इस आयोजन को गौरवान्वित किया।

आईआईटीटीएम (IITTM) भुवनेश्वर में जेनेरिक एआई(AI) सत्र, में छात्रों को सशक्त बनाता है

भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (IITTM), भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है, जो देश के प्रमुख संस्थानों में से एक है जो पर्यटन, यात्रा और अन्य संबद्ध क्षेत्रों के स्थायी प्रबंधन में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श प्रदान करता है। 3 मई, 2024 को आईआईटीटीएम, भुवनेश्वर में एनआईसी, भुवनेश्वर के श्रीमती सुजाता दास, वैज्ञानिक-एफ और श्री ललित मोहन प्रधान, वैज्ञानिक-टी.ए(ए) के नेतृत्व में जेनरेटिव एआई पर एक सत्र आयोजित किया गया।

सत्र में एआई के बुनियादी सिद्धांतों, इसके इतिहास और पर्यटन में अनुप्रयोग पर चर्चा की गई। लोगो निर्माण, वेबसाइट डिज़ाइन, ग्राहक सहायक के रूप में चैटबॉट बनाना, पर्यटन में विज्ञापन सामग्री बनाना और भावना विश्लेषण सहित विभिन्न जेनएआई टूल पर व्यावहारिक प्रदर्शन से छात्रों को सशक्त कौशल सिखाया गया । उद्योग-प्रासंगिक शिक्षा को बढ़ाने और नवाचार को बढ़ावा देने वाले पर्यटन में जेनरेटिव एआई के अनुप्रयोगों पर व्यापक विश्लेषण की सराहना की गई।

रीजोनेंस

साथी: अग्रणी बीज सुरक्षा और स्थिरता - एक वैश्विक दृष्टिकोण का अनावरण किया गया

14 मई, 2024 को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के महानिदेशक मेजर जनरल डुओंग वान तिन्ह के नेतृत्व में एक वियतनामी प्रतिनिधिमंडल ने एनआईसी मुख्यालय का दौरा किया। दूतावास के अधिकारी डॉ. गुयेन थी थान जुआन और श्री वु डुक न्गोक के साथ विदेश मंत्रालय की श्रीमती अर्शा एन.एस. के साथ प्रतिनिधिमंडल ने भारत की ई-गवर्नेंस पहलों को समझा । डॉ. आर.के. पाठक, डीडीजी ने अतिथियों का स्वागत किया, उसके बाद श्री दिनेश चंद्र, वरिष्ठ निदेशक (आईटी) ने SATHI (बीज प्रमाणीकरण ट्रैसेबिलिटी और समग्र सूची) परियोजना प्रस्तुत की, जिसमें राष्ट्रीय बीज ग्रिड बनाने पर इसके प्रभाव और भारत को वैश्विक बीज बनाने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने SATHI के विभिन्न मॉड्यूल, राज्यों की संघीय संरचना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसकी विन्यास क्षमता और भारतीय न्यूनतम बीज प्रमाणीकरण मानकों के साथ इसके संरक्षण के बारे में विस्तार से बताया। श्री चंद्रा ने यह भी बताया कि कैसे SATHI QR कोड का उपयोग करके प्रत्येक बीज बैग की ट्रैकिंग करने में सक्षम बनाता है, एक स्वस्थ आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने में सहायता करता है और सभी हितधारकों को एक छतरी में जोड़ता है। आनंद श्रीवास्तव वरिष्ठ निदेशक (आईटी) और श्री वैभव अग्रवाल वरिष्ठ निदेशक (आईटी) श्री के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। ।

रक्त दान से प्यार बाँटना: एक दूरदर्शी टेक्नोक्रेट के जन्मतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि

एनआईसी के संस्थापक महानिदेशक पद्म भूषण डॉ. एन. शेषगिरी का जन्मदिन 10 मई, 2024 को रक्तदान शिविर के साथ मनाया गया। इसका आयोजन श्री सत्य साईं सेवासंगठन, ओड़िशा के समन्वय से भारतीय रेड क्रॉस, ओड़िशा शाखा के डॉक्टरों और कर्मचारियों की देखरेख में किया गया था। शिविर में 67 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। श्री विभूति भूषण पटनायक, आईएएस, सचिव, भारतीय रेड क्रॉस, ओड़िशा और डॉ. रघुनाथ बेहरा, चिकित्सा अधिकारी, भारतीय रेड क्रॉस ने इस अवसर में शरीक होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। स्वेच्छासेवीओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किया गया। इससे पहले 8 मई, 2024 को एक जागरूकता-सह-प्रेरणादायक सभा आयोजित की गई थी जिसमें देश में रक्त की उपलब्धता की स्थिति, रक्तदान के लाभ, प्रक्रिया के दौरान क्या करें और क्या न करें और अन्य सभी पहलुओं पर चर्चा और विचार-विमर्श किया गया । श्री प्रदीप्त कुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष, इंडियन ब्लड डोनर्स फेडरेशन,डॉ. ज्ञानेंद्र सथुआ महापात्र और एसयूएम अल्टीमेट मेडिकेयर, भुवनेश्वर के कर्मचारियों की मदद से एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सभी कर्मचारियों ने बीपी और ब्लड शुगर, इसीजी आदि का जांच करवाकर डॉक्टरी परामर्श का लाभ उठाया।

एनआईसी ओड़िशा का टेक एक्सपो 2024: विविध प्रौद्योगिकी में नवाचार का प्रदर्शन

9 मई, 2024 को एनआईसी, ओड़िशा ने 'टेक-एक्सपो 2024' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एनआईसी अधिकारियों की सलाह के तहत एनआईसी के डेवलपर कार्यबल द्वारा विकसित बीस विविध प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में बतौर सम्मानित अतिथि ओड़िशा पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओपीटीसीएल) के पूर्व सीजीएम (आईटी) श्री अनंत राव उपस्थित थे ।

एक्सपो में विभिन्न क्षेत्रों के तकनीकी नवाचारों की एक प्रभावशाली श्रृंखला प्रदर्शित की गई। हाइलाइट्स में सेल्फ-ड्राइविंग कारों के लिए एक ओपन-सोर्स फ्रेमवर्क शामिल है, जो स्वायत्त वाहन प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित करता है। इसके अलावा लंबी दूरी के संचार के लिए लोआरए तकनीक का उपयोग करने वाले हस्तनिर्मित ट्रांसीवर नोड्स, ज़िगबी वायरलेस संचार प्रोटोकॉल के अनुप्रयोग और संवर्धित और आभासी वास्तविकता (एआर/वीआर) पर आधारित एक डेमो एप्लिकेशन भी प्रदर्शित किया गया।
अन्य उल्लेखनीय प्रस्तुतियों में स्मार्ट टीवी ऐप विकास, स्मार्ट टीवी के लिए एप्लिकेशन बनाने में नवाचारों का प्रदर्शन और ब्लॉकचेन-आधारित डेटाबेस तकनीक बिगचैनडीबी शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षमताओं से लेस माइंड्सडीबी को डेटाबेस का प्रदर्शन करते हुए भी प्रदर्शित किया गया । एक्सपो में आईबीएम के किस्किट प्लेटफॉर्म के माध्यम से क्वांटम कंप्यूटिंग की खोज की गई और रास्पबेरी पाई, नोड एमसीयू और अरुडिनो का उपयोग करके इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला गया।

सर्वर रहित कंप्यूटिंग वास्तुकला में प्रगति के साथ-साथ मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और ड्रोन के पीछे की प्रौद्योगिकियों की जांच की गई। इनडोर नेविगेशन और पोजिशनिंग के लिए एक इनडोर पोजिशनिंग सिस्टम का प्रदर्शन किया गया और आरआईएससी-वी आर्किटेक्चर, विशेष रूप से शक्ति और वेगा पर आधारित प्रोसेसर का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए) प्रौद्योगिकियों, 3डी प्रिंटिंग में नवाचारों और अंतरिक्ष अन्वेषण प्रौद्योगिकी में नए विकास पर भी प्रकाश डाला गया।

THE 3D TECH TALK

एनआईसी ओड़िशा ने हाल ही में उभरती प्रौद्योगिकियों के 3-आयामी परिप्रेक्ष्य को समझाने के लिए "द 3डी टेक टॉक" नाम से एक अभिनव तीन दिवसीय सेमिनार की मेजबानी की । तीन अलग-अलग थीम को लेकर 6 मई से 8 मई, 2024 तक इस कार्यक्रम चला जिसमें ; इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IIOT), साइबर सिक्योरिटी, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग (AI/ML) शामिल रहा । प्रत्येक दिन प्रसिद्ध बाहरी डोमेन विशेषज्ञों की अध्यक्षता में इन अत्याधुनिक विषयों पर गहन चर्चा हुई। कंप्यूटिंग स्कूल के डीन और प्रोजेक्ट एंड कंसल्टेंसी के डीन डॉ. अभय कुमार सामल ने आईआईओटी पर एक सत्र के साथ श्रृंखला का उद्घाटन किया। इसके बाद IServeU के CSIO श्री सिद्धार्थ पटनायक आए, जिन्होंने साइबर सुरक्षा की जटिलताओं को गहराई से समझा। अंतिम दिन ओएसडीए के पूर्व सीटीओ श्री शशांक शेखर चौधरी उपस्थित थे, जिन्होंने एआई/एमएल की प्रगति और अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला।

इन सेमिनारों में एनआईसी अधिकारियों ने उद्योग 4.0 से लेकर लोरा वैन तक, एआई के विकास से लेकर जेनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क तक, एंटरप्राइज सिक्योरिटी से लेकर हनीपोट प्रौद्योगिकियों तक विभिन्न विषयों को प्रस्तुत किया । विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि और कौशल-निर्माण के मिश्रण ने "द 3डी टेक टॉक" को एक ऐतिहासिक कार्यक्रम बना दिया, जिससे विचारों के समृद्ध आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला और संगठन के भीतर तकनीकी दक्षता को बढ़ावा मिला।

व्हाट्सएप एपीआई एकीकरण पर कार्यशाला: एक अधिक कनेक्टेड और उत्तरदायी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का विकास

एनआईसी ओड़िशा CPaaS (एक सेवा के रूप में संचार मंच) के माध्यम से व्हाट्सएप को अपने वेब अनुप्रयोगों में एकीकृत कर रहा है। इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के साथ बेहतर बातचीत की सुविधा के लिए व्हाट्सएप की मजबूत संचार क्षमताओं का लाभ उठाना है। सीपीएएएस का उपयोग करके, एनआईसी ओड़िशा कुशल, स्केलेबल और विश्वसनीय संचार चैनल सुनिश्चित करता है, जिससे उपयोगकर्ता जुड़ाव और पहुंच में सुधार होता है। इस एकीकरण से प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, वास्तविक समय पर अपडेट प्रदान करने और राज्य भर के उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक कनेक्टेड और उत्तरदायी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की उम्मीद है।

इस दिशा में, व्हाट्सएप एकीकरण, एपीआई कॉन्फ़िगरेशन, चैटबॉट प्लेटफॉर्म और उपयोग के मामलों पर विस्तृत विचार-विमर्श के साथ एक कार्यशाला आयोजित की गई । इसे लागू करने के लिए ई-पंचायत सभा, सर्विसप्लस, पीएम पोषण, आपदा अधिसूचना आदि जैसे अनुप्रयोगों की खोज पर विचार-मंथन सत्र आयोजित किए गए।